वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 92 | रविवार 30 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रेरा में रजिस्ट्रेशन करवाना हुआ महंगा

इंडिपेंडेंट मकानों की स्कीम के रजिस्ट्रेशन पर 10 रुपए प्रति वर्गमीटर तक स्टेण्डर्ड फीस

जयपुर. कासं

राजस्थान रियल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी (रेरा) ने अब हाउसिंग व कॉमर्शियल स्कीम के रजिस्ट्रेशन की फीस में इजाफा किया है। स्टेंडर्ड फीस के नाम से ये एक्स्ट्रा फीस इंडिपेंडेंट मकानों की स्कीम या कॉमर्शियल प्लाट की स्कीम पर ही वसूल की जाएगी। मल्टी स्टोरी वाले ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट पर ये शुल्क लागू नहीं होगा। रेरा रजिस्ट्रार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक प्लॉटेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के रजिस्ट्रेशन पर वर्तमान में आवासीय भूखण्डों पर 5 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से रजिस्ट्रेशन शुल्क लगता है। जबकि कॉमर्शियल, इंडस्ट्रियल और मिक्स्ड यूज के प्लॉट पर 5 रुपए प्रति वर्गमीटर। अब अथॉरिटी इस रजिस्ट्रेशन फीस के साथ स्टेंडर्ड फीस भी लेने का निर्णय किया है। ये स्टेंडर्ड फीस आवासीय भूखण्डों पर 5 रुपए प्रति वर्गमीटर और कॉमर्शियल, इंडस्ट्रीयल और मिक्स्ड यूज के प्लॉट पर 10 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से वसूल की जाएगी। ये नियम एक अगस्त से आवेदन करने वाली स्कीमों पर लागू होंगे।

निजी और सरकारी दोनों स्कीमों पर लागू

रेरा सूत्रों के मुताबिक ये स्टेंडर्ड फीस निजी खातेदारी, प्राइवेट डवलपर्स की स्कीम के साथ-साथ सरकारी एजेंसी की बसाई स्कीमों पर भी लागू होगा। यानी अगर राज्य में कोई नगर पालिका, यूआईटी, विकास प्राधिकरण, रीको या हाउसिंग बोर्ड अपनी स्कीम लांच करता है तो उन स्कीमों पर भी ये शुल्क वसूला जाएगा।

ब्यूटी पैजेंट मिस राजस्थान 2023 का हुआ आगाज

टॉप 28 गर्ल्स के बीच ताज को लेकर कॉम्पीटिशन जारी, कैटवॉक सेशन में मिले एक्सपर्ट से टिप्स

जयपुर. कासं। फ्यूजन ग्रुप की ओर से रवि सूर्या ग्रुप अनंता जयपुर के सहयोग से आयोजित राजस्थान के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट्स के 25वे संस्करण की शुरूआत जयपुर स्थित अनंता रिजॉर्ट में हुई। पहले दिन के आयोजन में अराइवल लुक व वेलकम सेरेमनी से मिस राजस्थान का आगाज हुआ। 9 दिन चलने वाले मिस राजस्थान के 25 वें संस्करण में इस बार 9 दिन अलग-अलग आयोजन होंगे। फिनाले वीक के आयोजनों में इंडिया की टॉप ग्रूमर और ट्रेनर राजस्थान की गर्ल्स को ट्रेंड करेंगे। जयपुर स्थित अनंता रिजॉर्ट में पहले दिन के बाद टैलेंट राउंड का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजक योगेश मिश्रा व निमिषा मिश्रा ने बताया कि फेमस फैशन कोरियोग्राफर शाहरुख खान के गाइडेंस में पहले दिन राजस्थान की टॉप 28 फाइनल लिस्ट ने कैटवॉक सेशन के जरिए फैशन इंडस्ट्री में वॉक के टिप्स लिए। सेशन के समय मिस राजस्थान तरूशी रॉय, मानसी राठौड़, प्रियन सेन, रिया जाखड़, संजना, गोरानवी, गरिमा, सुनीता, सुहानी जैसी सीनियर मेंटर्स भी उपस्थित रहे। दूसरे दिन टैलेंट राउंड का भव्य आयोजन अनंता रिजॉर्ट जयपुर में किया जाएगा।

जेकेके में टाइगर फोटो एग्जीबिशन की शुरूआत

देशभर के फोटोग्राफर्स की 100 से अधिक फोटोग्राफ्स को किया गया प्रदर्शित, मंत्री खाचरियावास ने किया उद्घाटन

जयपुर. कासं। जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) की ओर से इंटरनेशनल टाइगर डे पर जवाहर कला केंद्र (जेकेके) की सुदर्शन गैलरी में टाइगर फोटोग्राफी एग्जीबिशन एवं कॉम्पीटिशन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि, राजस्थान खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, गेस्ट ऑफ ऑनर, चेयरमैन राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, पवन अरोडा की ओर से किया गया। कार्यक्रम में स्पेशल गेस्ट के रूप में पीसीसीएफ एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक अरिंदम तोमर, चेयरमैन, एआरएल ग्रुप के प्रमोद जैन और वाइल्डलाइफ फिल्ममेकर, एस. नल्ला मुथू मौजूद रहे। इसके अलावा जे डी

माहेश्वरी, पवन गोयल भी नजर आए। प्रताप सिंह खाचरियावास ने इस मौके पर कहा कि टाइगर संरक्षण के लिए इस तरह के प्रदर्शनी और कॉम्पीटिशन का आयोजन होना चाहिए, जिससे टाइगर प्रिजर्वेशन के लिए अवेयरनेस बढ़ाने में काफी मदद मिलती है। प्रदेश सरकार टाइगर संरक्षण के लिए बेहतर कार्य कर रही है, इसी का नतीजा है कि आज राजस्थान में टाइगर की संख्या 100 से अधिक हो गई है। जेटीएफ के सचिव आशीष बैद ने बताया कि प्रदर्शनी में देश विदेश से वाइल्डलाइफ फोटोग्राफ्स की ओर से लगभग 500 एंट्रीज आई थी। सिलेक्शन कमिटी में आई एफ एस सुदर्शन शर्मा और रक्षा संस्था के फॉउंडर, रोहित गंगवाल ने इन एंट्रीज में से लगभग 100 फोटोग्राफस को चयनित किया, जिनको यहां प्रदर्शित किया गया है। जेटीएफ संस्थापक धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि फोटोग्राफी केवल और केवल आम जन में हमारे राष्ट्रीय पशु टाइगर के बारे में जगरुकता लाने का प्रयास है। राजस्थान में टाइगर की संख्या 100 के पार हो गई है, यह बहुत खुशी की बात है कि राजस्थान में 4 टाइगर रिजर्व हैं। प्रदेश में रणथंभौर, सरिस्का, मुकंदरा के बाद बूंदी में नया टाइगर रिजर्व बन गया है।

धनार्जन के साथ धर्म आराधना भी जरूरी है: आचार्य ज्ञेयसागर

ज्ञानतीर्थ पर बच्चों को समझाया शिक्षा और संस्कार का महत्व

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। मनुष्य के जीवन में अच्छी शिक्षा के साथ साथ अच्छे संस्कारों का होना भी अति आवश्यक है । शिक्षा मानव जीवन का अनमोल हिस्सा है को उसके जीवन को एक नई दिशा प्रदान करता है । शिक्षा के साथ ही अच्छे संस्कार मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं । अच्छी शिक्षा जहां धनोपार्जन में सहायक होती है, वहीं अच्छे संस्कार धर्म आराधना की ओर अग्रसर करते हैं । शिक्षा तो स्कूलों में मिल जाती है, लेकिन संस्कार तो मनुष्य को उसके परिवार एवम समाज से ही मिलते हैं ।जैसे जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, हम अपने माता पिता और अन्य परिजनों से कुछ न कुछ सीखते रहते हैं । अच्छे संस्कारों का उद्देश्य मनुष्य के व्यक्तित्व को इस प्रकार विकसित करना हैं कि वह भविष्य में देश, धर्म व समाज का सर्वांगीण विकास करने में सहभागी बन सके ।उक्त विचार छाणी परंपरा के सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ने ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर मुरैना में धर्मसभा के दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आचार्य श्री ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहाकि अच्छी शिक्षा प्राप्त करके आप धन तो बहुत कमा सकते हैं, लेकिन यदि आपने अच्छे संस्कार प्राप्त नहीं किए तो आपका जीवन अधूरा ही रहेगा। यदि आपने अपने परिजनों से, अपनी समाज से, अपने गुरुओं से अच्छे संस्कार ग्रहण कर लिए तो आप धन के साथ साथ धर्म आराधना भी कर सकेंगे । वर्तमान में धन आवश्यक तो है, लेकिन धन सबकुछ नहीं हैं । धन से आपको भौतिक एवम सांसारिक सुख तो मिल सकता है लेकिन मन की शांति एवम आत्मिक सुख केवल धर्म आराधना से ही मिल सकता है। इसलिए शिक्षा के साथ साथ संस्कारों का होना अति आवश्यक है । यानिकि धनार्जन के साथ धर्म आराधना भी जरूरी है। ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में आज बच्चों ने पहुचकर भगवान श्री आदिनाथ, श्री पार्श्वनाथ सहित 24 तीर्थंकरों की आराधना करते हुए पूजा अर्चना की । क्षेत्र पर चातुर्मासरत आचार्य श्री ज्ञेयसागर महाराज, मुनिश्री ज्ञातसागर महाराज, मुनिश्री नियोगसागर महाराज, क्षुल्लक सहजसागर महाराज को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य बिमल जैन तरुण जैन एवम रामेश्वर दयाल योगेश जैन जय जिनेन्द्र ट्रेवल्स को प्राप्त हुआ।

पुष्पेन्द्र जैन बने जैन युवा परिषद के अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन व प्रदेशाध्यक्ष दिलीप जैन ने अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् सीकरी के अध्यक्ष पद पर कस्बा निवासी पुष्पेन्द्र जैन को मनोनीत किया है। अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने कार्यकारिणी का गठन कर संरक्षक नीरज जैन, सोनू जैन, उपाध्यक्ष अंकित जैन, कोषाध्यक्ष रिंकू जैन, महामंत्री अक्षत जैन, संयुक्त महामंत्री सम्यक जैन, संगठन मंत्री विनय जैन, सांस्कृतिक मंत्री निखिल जैन व मंत्री लक्ष्य, मंयक, संयम व अभिनव को नियुक्त किया है। सभी नवीन पदाधिकारियों को सकल जैन समाज सीकरी ने बधाईयां प्रेषित की।

पुलक मंच ने मनाया लहरिया उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। पुलक मंच (शाखा जयपुर शहर) के द्वारा लहरिया उत्सव मनाया गया। अध्यक्ष इद्रां बडजात्या द्वारा धार्मिक हाऊजी व सरप्राइज गेम्स रखें गए थे। कार्यक्रम आशा लुहाडिया के निवास स्थान पर रखा गया। रिमझिम बारिश मे सभी ने लहरिया थीम पर डांस किया। सावन की रानी शर्मिला शाह चुनी गई । उसके बाद सभी ने खाने का व बारिश का आनंद लिया ।

आयंबिल करके मनाएंगे श्रमण संघ आचार्य आनन्द ऋषि की जन्म जयंती-अहिंसा भवन शास्त्री नगर में

ज्ञानवर्धक धार्मिक प्रतियोगिता मे भाग लेने वालों को साध्वी प्रितीसुधा के सानिध्य मे दिये बहनों को पुरस्कार

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा। आयंबिल दिवस रूप मे मनाए श्रमण के दित्तीय पट्टधर आनन्द ऋषि कि जन्मजयंती शास्त्रीनगर में महासती उमराव कंवर साध्वी प्रीति सुधा, साध्वी मधुसुधा साध्वी संयम सुधा आदि के सानिध्य में श्रमण संघ के दित्तीय आचार्य आनन्द ऋषि जी महाराज कि 124 वीं जन्मजयंती मनाई जाएगी। जन्म जयंती के उपलक्ष्य में चंदन बाला महिला मंडल कि बहनों ने साध्वी प्रितीसुधा कि प्रेरणा पर जन्मजयंती पर 124 बहने आयंबिल आराधना करके देगी आनन्द ऋषि जी महाराज को तप की भेंट। इसदौरान महिला मंडल ने अनेक धार्मिक प्रतियोगिताए हुई । ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता में प्रथम मीनाक्षी सोनी द्वितीय शिल्पा कोठारी तृतीय कैलाश देवी चौधरी धर्म तंबोला गेम में प्रथम अंतिमा सांड, स्वाति सांड, द्वितीय लाड पीपाड़ा और लता सियाल, तृतीय अन्नू बाफना, प्रीति पोखरना। धर्म चक्र खेल में स्नेहलता बोहरा, द्वितीय कोमल सालेचा, तृतीय मंजू बंब, चतुर्थ मीनाक्षी कोठारी, कमलेश चीपड़, मंजू बापना, रश्मि लोढा रहे। सभी को परितोषिक चंदन बाला महिला मंडल कि अध्यक्ष नीता बाबेल की ओर से प्रदान किया गया। इसदौरान मंडल. रजनी सिंघवी, संरक्षिका मंजू बाफना, कोषाध्यक्ष सुनीता झामड़, उपाध्यक्ष अंजना सिसोदिया, वंदना लोढ़ा, सरोज मेहता, रश्मि लोढ़ा, सुशीला छाजेड़, स्नेहलता बोहरा, निर्मला बुलिया, कैलाश चौधरी, मंजू बंब, कमलेश चौपड़ा, लाड रांका, दिलखुश डागलिया, उर्मिला सांड, मीना कोठारी, लता कोठारी, मीना डांगी, कोमल सालेचा, रिंकू रांका, रानू कोठारी, मधु सांड, विनीता चौधरी, शिल्पा रांका, विपुला बुरड़, आदि पदाधिकारी ओर सैकड़ों बहनों की उपस्थित रही। सभी ने साध्वी मंडल से महामंगल पाठ लेते आशीर्वाद लिया।

मुख्य सचिव ने किए भगवान महावीर के दर्शन

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में शनिवार को राजस्थान सरकार की मुख्य सचिव उषा शर्मा ने भगवान महावीर के दर्शन कर देश व प्रदेश की उन्नति की कामना की। मुख्यसचिव ने माथा टेककर भगवान महावीर को ढोक लगाई मंदिर के पंडित मुकेश जैन शास्त्री ने विधि विधान से पूजा अर्चना संपन्न कर मूलनायक भगवान महावीर स्वामी प्रतिमा के सामने श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना संपन्न कर महावीर स्वामी की स्तुति की तदुपरांत ध्यान केंद्र का अवलोकन किया। मंदिर कमेटी के प्रबंधक नेमिकुमार पाटनी ने बताया कि राजस्थान सरकार की मुख्य सचिव के एक दिवसीय करौली दौरे के दौरान श्री महावीरजी पहुंची। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सर्वप्रथम मूलनायक भगवान महावीर के दर्शन कर प्रदेश में अमन चैन की कामना की पंडित मुकेश जैन शास्त्री ने जैन परम्परा के अनुसार मंगल आरती व पूजा कराई इस अवसर पर प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं धर्मपत्नी श्रीमती रितु कासलीवाल ने तिलक लगाकर, माला पहना कर स्वागत कियो एवं उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन सदस्य पीके जैन एवं प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन की ओर से मुख्य सचिव का राजस्थानी परम्परा के अनुसार अभिनन्दन किया। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, उपअधीक्षक किशोरी लाल, उप जिला कलेक्टर सुरेश कुमार हरसोलिया, तहसीलदार महेंद्र कुमार मीणा, विकास अधिकारी श्याम सुंदर थानाधिकारी सहित प्रशासन के आला अधिकारी उपस्थित थे ।

सिटिजन यात्रा क्लब के सदस्यों ने बाहरी जयपुर के दर्शन किए

जयपुर. शाबाश इंडिया।

सिटिजन यात्रा क्लब, दुगार्पुरा ने जयपुर के बाहर स्थित जैन मंदिरों के दर्शन कराये ।इस यात्रा में 24 सदस्यों ने भाग लिया ।सभी सदस्य दुगार्पुरा स्थित दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभ जी के दर्शन व शांतिधारा देख वर्षा की रिमझिम फुआरों के बीच रवाना हुये और सबसे पहले जयसिंहपुरा खोर पहुंचे व श्रेयांसनाथ भगवान की मूलनायक अतिप्राचीन मूर्ति के दर्शन कर धन्य हो गये वहां के श्रावक श्रेष्ठियों ने अभिषेक दिखाया व सदस्यों ने वंहा बैठ पूजापाठ किया । मंदिर की देखरेख कर रहे सुनिल-रेखा ने सभी सदस्यों को चाय-उकाली पिलाई। वंहा से बगराणा के नये व पुराने मंदिरजी पहुंचे ।बहुत प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार चल रहा है, एक कमरे में रखी सब जिनप्रतिमाओं के दर्शन किए। फिर शांतिनाथ जी की खोह पहुंचे व सभी नई व प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन किए व सभी ने नाश्ता किया ओर महल योजना के पार्क में बने अति सुन्दर मंदिर जी में भगवान मुनिसुव्रतनाथ नाथ के दर्शन कर प्रताप नगर स्थित सेक्टर 17 के आदिनाथ भगवान के मंदिर के दर्शन किये व वंहा से बीलवा के पास नागंल्या ग्राम के शान्तिनाथ भगवान के मंदिर पहुंचे तथा वंहा बिराजमान 105 नंगमति माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा सभी जिन प्रतिमाओं के दर्शन कर सुबह का खाना खाया और वाटिका पहुंचे ।वंहा सभी नें भगवान मुनिसुव्रतनाथ तथा नवग्रह की अन्य प्रतिमाओं के दर्शन किए ओर बाद में सभी ने चाय-काफी का आनंद लिया ओर अंतिम पडाव में लाखणाजी पहुंचे। लाखणाजी के सुन्दर काच के मंदिर जी को देख सदस्य आनन्दित हो उठे व दुगार्पुरा आ गये। आज के इस ट्रिप में अजित -शशि तोतूका ने सिटिजन यात्रा क्लब की सदस्यता ग्रहण की । आयोजक डां.एम.एल जैन 'मणि'- डां शान्ति जैन 'मणि' ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

वेद ज्ञान

योग्यता का अर्थ त्याग

मूल्यांकन की इच्छा मानव में निरंतर उपजती रहती है। अनजान व्यक्ति से मिलने पर क्षणभर में पूर्ण जीवनकथा जानने की छटपटाहट बड़ा संकट उत्पन्न करती है। सामने वाले को तत्काल प्रभाव में लेने की शीघ्रता समस्या बढ़ाती है। किसी से पलक झपकते ही सर्वस्व ज्ञात करने का सूत्र अभी तक ज्ञात नहीं है। जिसे जिस क्षेत्र का कोई ज्ञान नहीं रहता वह उसी क्षेत्र का यक्ष प्रश्न करता है। शिक्षा संस्थाओं में विषय अनिवार्यता के अलावा अनेक क्षेत्र में धनोपार्जन करने के लिए नए-नए मार्ग खोजे गए हैं। परिश्रमी की भीड़ से अलग सफलता का सार्थक मानदंड खोजने वाले नियम परिवर्तन में विश्वास रखते हैं। समान योग्यता वालों में किसी को सेवा का अवसर मिलने पर ऊंचाई का शिखर मिलते देर नहीं नहीं लगती। द्वार से भगाए गए तुलसी की भांति गुरु नरहरिदास की खोज में जीवन गुजर जाता है। वरदानदाता के लिए पैर पकड़कर पीछे खींचने वाले भस्मासुर बन जाते हैं। अपनी सीमा से अधिक कोई पचाना नहीं जानता। समय की आंच में तपकर निखरना सामान्य व्यक्ति के बस की बात नहीं है। पग-पग पर प्रतिकूलता से जूझने वाले लोहा लेते-लेते पारस पत्थर बन जाते हैं। कोयला अधिक ताप के दबाव में हीरा बनकर गौरवान्वित होता है। संकट सहते-सहते सामान्य मनुष्य महापुरुष बन जाता है। प्रशंसा का प्रोत्साहन कृतज्ञता बढ़ाता है। कृतज्ञता योग्यता पहचानने का तत्व है। उगते सूर्य को सभी प्रणाम करते हैं, पर अस्ताचल में जाते सूर्य को छठ पर्व में ही अर्घ्य चढ़ता है। पद का संबंध योग्यता से है। योग्य के स्थान पर अयोग्य को पद थोपकर योग्यता बढ़ाई जाती है। पद को भगवान बनाने के कारण अहंकार में वृद्धि होती है। प्रयास के बगैर प्राप्त फल अकर्मण्यता का पोषक है। अयोग्यता स्वयं से श्रेष्ठ को नकारती है। हाथी की पग-पग पर पूजा ही श्वान का दुख बढ़ाती है। दुर्जन सज्जनता को कायरता मानते हैं। सज्जन निश्छल परिश्रम में जीते हैं। प्रश्न पर अतार्किक प्रश्न करना मूर्खता का प्रतीक है। हर बात में प्रश्न अर्थ का अनर्थ करता है। भरत चित्रकूट में कहते हैं, योग्यता के अनुसार मुझे शिक्षा दी जाए। योग्यता का अर्थ धन, पद नहीं, बल्कि त्याग है। औषधि की चर्चा नहीं, बल्कि औषधि रोगी के लिए उपयोगी है।

संपादकीय

दमन का रास्ता हमेशा ही खतरनाक होता है

अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन पर उतरना नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है। मगर चिंता का विषय है कि पिछले कुछ वर्षों में अक्सर नागरिक आंदोलन हिंसक रूप लेते देखे गए हैं। इसकी कई वजहें हो सकती हैं, मगर गंभीर सवाल यह भी है कि ऐसी स्थितियों से निपटने में सरकारें क्यों विफल साबित हो रही हैं। एक महीने के भीतर बिहार में यह दूसरी घटना है, जब किसी आंदोलन पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठी-डंडे और बंदूक का सहारा लेना पड़ा। ताजा घटना में पुलिस की गोली से दो लोगों के मारे जाने की सूचना है। इसके पहले पटना में शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने आंदोलन किया था, तब पुलिस ने जम कर लाठियां बरसाई थीं। उसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ताजा घटना वहां के कटिहार जिले की है। स्थानीय लोग बिजली आपूर्ति बेहतर करने की मांग लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। बताया जा रहा है कि बिजलीघर के बाहर उग्र भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। उसे रोकने के लिए पुलिस बल को बुलाया गया। फिर भीड़ ने पुलिस पर भी पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। इससे कई पुलिसकर्मियों को गंभीर चोटें आई। भीड़ को काबू में न आता देख पुलिस ने गोली चला दी, जिसमें दो युवक मारे गए। अब पिछले कुछ वर्षों में देखा जा रहा है कि नागरिक आंदोलन और प्रदर्शन किन्हीं समस्याओं को लेकर शुरू तो होते हैं, मगर उनका मिजाज राजनीतिक हो जाता है। वे किसी न किसी राजनीतिक दल से प्रेरित पाए जाते हैं। इस तरह उनका मिजाज लोकतांत्रिक के बजाय अक्सर अलोकतांत्रिक और अराजक हो जाता है। वरना बिजली आपूर्ति ठीक करने की मांग में ऐसा कोई तत्त्व नहीं माना जा सकता, जिसके लिए पत्थरबाजी करनी पड़े। इसे शांतिपूर्ण तरीके से भी किया जा सकता था। इस तरह के आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों ने आंदोलनों की मयार्दा को ही धूमिल किया है। मगर इससे पुलिस को अपने बचाव का आधार नहीं मिल जाता। निस्संदेह उग्र भीड़ पर काबू पाना पुलिस का कर्तव्य है, मगर उसका तरीका केवल लाठी और बंदूक चलाना नहीं हो सकता। मगर शायद पूरे देश की पुलिस को इस बात पर यकीन हो चला है कि कानून-व्यवस्था केवल बंदूक के बल पर ही कायम हो सकती है। बिहार पुलिस तो बहुत पहले से इस सिद्धांत पर अमल करती देखी जाती है। जब भी इस तरह के आंदोलनों से निपटने के लिए दमन का रास्ता अख्तियार किया जाता है, तो पुलिस के कामकाज पर स्वाभाविक ही सवाल उठते हैं और उसे सुधारने के सुझाव भी दिए जाते हैं, मगर उन पर अमल नहीं हो पाता। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार सुशासन की पैरोकार है। मगर यह कैसा सुशासन है, जिसमें लोगों की मांग के बदले गोलियां चलाई जाती हैं। क्या प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता था। सक्षम प्राधिकार को यह बात क्यों समझ नहीं आई। उन्हें तभी होश क्यों आता है, जब कोई बड़ी घटना घट जाती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आतंकवाद

भारत को अपनी सीमाओं पर कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनमें सामरिक की अपेक्षा आतंकी घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध तरीके से प्रवासन आदि की चुनौतियां अधिक जटिल हैं। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से ऐसी चुनौतियां ज्यादा मिलती हैं और उस पर निगरानी का तंत्र काफी पुख्ता कर लिया गया है, पर उसे पूरी तरह चाक-चौबंद नहीं कहा जा सकता। यही वजह है कि अब भी कश्मीर घाटी में आतंकवाद, पंजाब में मादक पदार्थों की तस्करी और पूर्वोत्तर में अवैध प्रवासन पर पूरी तरह अंकुश लगाना संभव नहीं हो पाया है। अब विदेश मामलों की स्थायी संसदीय समिति ने सुझाव दिया है कि आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए संपर्क संबंधी कमियों को दूर करने की जरूरत है। वहां अब भी आए दिन घुसपैठ की कोशिशें देखी जाती हैं। इसकी बड़ी वजह जरूरी संचार तकनीक का उपयोग न हो पाना है। भारत-पाकिस्तान के ज्यादातर हिस्से में बाड़बंदी है, मगर कई इलाके अब भी ऐसे हैं जहां से उन्हें घुसपैठ का रास्ता बनाने में कामयाबी मिल ही जाती है। उन इलाकों में ड्रोन और अत्याधुनिक निगरानी तकनीकी का सहारा लिया जाता है, मगर वे पूरी तरह कारगर साबित नहीं हो पा रहे। आतंकवाद पर काबू पाने के लिए जरूरी है कि खुफिया एजंसियों, तमाम सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस-प्रशासन के बीच परस्पर संपर्क बना रहे। मगर कई जगहों पर इसकी कमी महसूस की जाती है। कई बार देखा गया है कि खुफिया एजंसियों की सूचना पर अमल में कई दिन लग जाते हैं, तब तक आतंकी अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। हालांकि घाटी में घुसपैठ पर सख्ती से नजर रखी जाती है, इसके लिए अत्याधुनिक सूचना उपकरणों का इस्तेमाल भी किया जा रहा है, मगर आतंकवादी संगठन सुरक्षाबलों की रणनीति को भेदने या उनसे बचने के नए-नए तरीके इस्तेमाल करते रहते हैं। पिछले दिनों खुद सेना ने स्वीकार किया था कि आतंकियों ने संचार माध्यमों के बजाय सूचनाएं पहुंचाने के लिए नाबालिगों, महिलाओं आदि का सहारा लेने लगे हैं। अब उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में अपने लोगों को प्रवेश दिलाने की कोशिश शुरू की है, ताकि वहां युवाओं को आतंकी संगठनों में भर्ती होने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस तरह आतंकी संगठनों की साजिशों और रणनीतियों का पता लगाने के लिए जिस तरह के सूचना-तंत्र की जरूरत है, वह अभी तक विकसित नहीं हो पाई है। आतंकवादी और अलगाववादी संगठन प्रायः धन जुटाने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी का सहारा लेते हैं। इस मामले में पंजाब से सटी सीमा और पूर्वोत्तर में उनके लिए रास्ता तलाशना आसान हो जाता है। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि वह मादक पदार्थों की तस्करी पर काफी कड़ाई की है और आने वाले समय में इस पर पूरी तरह रोक लगाना संभव हो जाएगा। मगर इसका भरोसा नहीं बन पाता। पिछले कुछ सालों में मादक पदार्थों की भारी-भारी खेप पकड़ी गई हैं, जिससे साबित होता है कि इसका तंत्र काफी जटिल है। इस पर नजर रखने के लिए भी सूचना तंत्र को अत्याधुनिक और ज्यादा भरोसेमंद बनाना जरूरी है। पूर्वोत्तर की भौगोलिक बनावट ऐसी है कि वहां बांग्लादेश और पाकिस्तान से घुसपैठ करके आना और फिर वहीं बस जाना आसान लगता है। ऐसी गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाना संभव नहीं हो पाया है।

जवाहर कला केंद्र में 4 दिन रहेगा जंगल के राजा का जादू

जयपुर टाइगर फेस्टिवल द्वारा टाइगर फोटो एग्जीबिशन एवं कॉम्पटीशन जवाहर कला केंद्र का धमाकेदार आगाज

विधिवत उद्घाटन राजस्थान खाद्य मंत्री, प्रताप सिंह खाचरियावास और गेस्ट ऑफ ऑनर, चेयरमैन राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, पवन अरोडा, आईएएस द्वारा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) की ओर से इंटरनेशनल टाइगर डे पर 01 अगस्त तक जवाहर कला केंद्र की सुदर्शन गैलरी में एक टाइगर फोटोग्राफी एग्जिबिशन एवं कंपटीशन का आयोजित किया जा रहा है। जिसका विधिवत उद्घघाटन, मुख्य अतिथि, राजस्थान खाद्य मंत्री, प्रताप सिंह खाचरियावास गेस्ट ऑफ ऑनर, चेयरमैन राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, पवने अरोडा, आईएएस द्वारा किया गया। प्रताप सिंह खाचरियावास ने इस मौके पर कहा कि टाइगर संग्रक्षण के लिए इस तरह के प्रदर्शनी और कंपीटेशन का आयोजन होना चाहिए जिससे टाइगर प्रिजर्वेशन के लिए अवार्नेस बढाने में काफी मदद मिलेगी। कार्यक्रम में स्पेशल गेस्ट, सीडब्लूएलडब्लू राजस्थान के अरिंदम तोमर; चेयरमैन, एआरएल ग्रुप के प्रमोद जैन और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, एस. नल्ला मुथू, जे डी माहेश्वरी, पवन गोयल उपस्थित थे। सचिव, आशीष बैद ने बताया कि प्रदर्शनी में देश विदेश से वाइल्डलाइफ फोटोग्राफ्स द्वारा लगभग 500 एंट्रीज आई थी। भारतीय वन सेवा अधिकारी, सुदर्षन शर्मा और रक्षा संस्था के फॉउंडर, रोहित गंगवाल ने इन एंट्रीज में से 100 फोटोग्राफस को चयनित कर पदर्शनी में प्रर्दशित योग्य समझा। जेटीएफ संस्थापक, धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि प्रर्दशित फोटोग्राफी केवल और केवल आम जन में हमारे राष्ट्रीय पशु बाघ के बारे में जगरुखता लाने का एक प्रयास है। संस्था के ट्रस्टी आनंद अग्रवाल ने बताया कि 4 दिवसीय एग्जिबिशन राजस्थान वन विभाग के सहयोग से की जा रही है और प्रदर्शनी में एस्ट्रल पाइप्स का प्रमुख सहयोग है व होटल क्लार्क्स आमेर और होटल द फर्न रणथम्बोर भी सहयोगी हैं। संस्था के अध्यक्ष, संजय खवाड ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए 4 सदस्य जूरी में एस नल्लामुथु, जौन ईसाक, क्रिस ब्रंसकिल और सितारा कार्तिकेयन है।

नेट-थियेट पर कबीर भजन

कबीर तेरी झोपड़ी गल कतियन के पार, करेगा सो भरेगा, तू क्यों हुआ उदास

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज कबीर भजन जो भजे हरि को कार्यक्रम में भजन गायक बिजेंद्र सिंह राठौड़ उर्फ नगीना ने अपनी मधुर वाणी से भजन की ऐसी सरिता प्रवाहित कि की लोग भक्ति रस में हिलोरे लेन लगे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार बिजेंद्र ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत जो भजे हरि को सदा वो ही परम पद पाएगा सुनाकर भजन की शुरूआत की। इसके बाद कबीर भजन कबीर तेरी झोपड़ी गल कतियन के पार, करेगा सो भरेगा, तू क्यों हुआ उदास और जोबन धन पावणा दिन चारा में, सोच ले रे प्राणी, फिर यह जन्म ना मिले, माया संग ना चले रे जैसे भजनों को बडे ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया।

श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीष स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्शन व 56 भोग महामहोत्सव

आज सजेगी 56 भोग बड़े मनोरथ की झांकी, विपत्ति में काम आने वाला ही मित्रः श्रीगिरिराज शास्त्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। अधिक मास के अवसर पर श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति व श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल, जयपुर के बैनर तले मोहनबाड़ी स्थित श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीष स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्षन व 56 भोग महामहोत्सव के तहत रविवार को साम 7 बजे 56 भोग बड़े मनोरथ की झांकी सजाई जाएगी। भागवत कथा के समापन पर व्यासपीठ से बड़ोदरा निवासी श्रीगिरिराज शास्त्री ने कहा कि व्यक्ति का जीवन संसार की भागदौड़ में फंसकर अशांत हो जाता है। उस समय अपनी समस्याओं का समाधान के निदान प्राप्त करने के लिए जगह-जगह दौड़ती है, परंतु शांति की प्राप्ति नहीं हो पाती है। व्यक्ति के जीवन में यदि शांति प्राप्ति कहीं प्राप्त होती है तो वह भागवत कथा, जिसे श्रवण करने मात्र से ही व्यक्ति का जीवन सुखमय व भक्तिमय हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि राजा परीक्षित के जीवन में ऐसी अशांति आई थी कि उसके निदान का मार्ग कहीं मिलना मुष्किल था।

तप-त्याग से जुड़कर सुख प्राप्ति का अवसर दे रहा चातुर्मासः इन्दुप्रभाजी म.सा.

दुःख से छूटकारा पाना हो तो त्याग करो, बनो व्रति श्रावक : दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। त्याग ओर सुख एक-दूसरे के पूरक है। जितना त्याग करेंगे उतने सुख की प्राप्ति होगी। चातुर्मास हम तप-त्याग से जुड़कर सुख प्राप्ति का अवसर देता है। हम जिनवाणी श्रवण करते है तो उसके लिए भी समय का त्याग करना पड़ता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में दान,तप, शील आदि के साथ सेवा की भावना भी अहम होती है। इसी तरह साधु-साध्वी ज्ञान दर्शन चारित्र की पालना करते हुए धर्म साधना करते है। उन्होंने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह बजरंग बलि के पिता पवनदेव एवं माता अंजना का जन्म होता है। इनके माध्यम से बेटे-बेटी को एक समान मानने ओर किसी तरह का भेद नहीं करने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास में हमारा लक्ष्य अव्रति को व्रति श्रावक बनाना है। पाप का मूल दुःख है और दुःख से छूटकारा पाना हो तो त्याग करो। दान,शील, तप ओर भाव हमेशा बढ़ाते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमे भोग की संस्कृति छोड़ अपनी त्याग की संस्कृति अपनानी होगी। त्याग व दान दोनों हमेशा हमारे कार्य आते है। शुद्ध भावों से किया गया दान ही सफल होता है। साध्वीश्री ने कहा कि दान से पाप का ब्याज ओर त्याग से पाप का मूल चुक जाता है। त्याग करने से पाप खत्म हो जाता है। उन्होंने दूसरों की हंसी नहीं उड़ाने की नसीहत देते हुए कहा कि ऐसा करके भी हम कषाय बंध कर रहे है। हंसी उड़ाने से महामाहनीय कर्म का बंध होता है। किसी के काम में रोडे नहीं डाल सहयोग करना भी धर्म होता है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ.समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने सुखविपाकसूत्र का वाचन करते हुए श्रावक के 12 व्रतों के बारे में चर्चा करते हुए समझाया कि व्रत अंगीकार कर व्रति श्रावक बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोहमाया त्याग धर्म व त्याग की राह अपनानी होगी। परिवार के लिए त्याग कर्म बंधन बढ़ाता है जबकि धर्म के लिए त्याग पुण्य बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि हम धर्म के लिए भी त्याग करना सीखे ओर श्रावक के 12 व्रतों में जितने संभव हो उतने स्वीकार कर अपने जीवन को उसी अनुरूप ढाले। मर्यादित जीवन होने पर जिंदगी सहज व आसान लगेगी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा.,नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। धर्मसभा में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया एवं युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है।

बच्चों के लिए दया तप की आराधना

चातुर्मास के तहत रविवार को बच्चों के लिए दया तप की आराधना होगी। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के अनुसार इसके माध्यम से उन्हें धर्म से जुड़ इसकी आराधना के लिए प्रेरित किया जाएगा। दया तप के दौरान बच्चें सात-सात सामायिक की धर्म आराधना करेंगे। रविवार को ही सुबह 8 से 8.30 बजे तक युवाओं की कक्षा होगी। दोपहर 3 से 4 बजे तक प्रश्नमंच का आयोजन होगा। चातुर्मास के तहत रविवार से ही 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए 15 दिवसीय द्रव्य मयार्दा तप (चन्द्रकला तप) शुरू होगा। ये ऐसी तप साधना होगी जो बच्चें स्कूल-कॉलेज जाते भी आसानी कर सकेंगे। इस साधना के तहत बच्चों के लिए द्रव्य मात्रा निर्धारित होगी। दैनिक दिनचर्या में जरूरी चार चीजों पानी पेस्ट, दूध व दवा की छूट (आगार) रहेगी। तप के तहत पहले दिन अधिकतम 15 द्रव्य उपयोग में ले सकेंगे। इसी तरह निरन्तर घटते क्रम में तप साधना के अंतिम दिन 13 अगस्त को एक द्रव्य का ही उपयोग कर सकेंगे। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है।

आचार्य चैत्य सागर के सानिध्य में पदमपुरा में शान्ति विधान हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र बाडा पदमपुरा में शनिवार को आचार्य चैत्य सागर जी महाराज के परम आशीर्वाद व सानिध्य में मंगल अष्ट द्रव्य व श्रीफल के साथ संगीतमय शान्ति विधान का आयोजन भक्ति भाव के साथ हुआ। विधान में जयपुर जनकपुरी इमलीफाटक अर्जुन पुरी सांगानेर निमोड़िया निवाई राहोली चाकसू शिवदासपुरा पवालिया पदमपुरा सहित कई स्थानों के श्रावकों ने भक्ति के साथ अर्चना की । विधान पण्डित अनिल शास्त्री, ब्र नीतू दीदी ने संगीतकार नवीन भैया के साथ विधि विधान से कराया । विधान मण्डल पर विश्व शांति हेतु बीजाक्षर युक्त शांति धारा का सोभाग्य जनक पुरी के महावीर प्रसाद कांता देवी पाटनी परिवार पवालिया वालों को मिला । राजेंद्र -आरती व रितेश -अंशु लावण्या व समक्ष द्वारा विधान पर मंगल आरती की गयी । आचार्य चैत्य सागर जी ने आशीर्वाद में कहा की पूजन विधान के भाव एक व्यक्ति या परिवार के होते है और पुण्य लाभ कई परिवार प्राप्त करते है ।

भगवान ऋषभदेव जन्म भूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ यात्रा कामां में आज 30 जुलाई को

लाल दरवाजे से प्रारम्भ होगी रथयात्रा

कामा, भरतपुर. शाबाश इंडिया

संपूर्ण भारत वर्ष की जैन समाज में प्रभावना एवं जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या के विकास हेतु जैन साध्वी आर्यिका शिरोमणि गणिनी ज्ञानमती माताजी के निर्देशन में भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का प्रवर्तन हो रहा है। जिसका मंगल आगमन 30 जुलाई को धर्मनगरी कामां में होगा।जहां सकल दिगम्बर जैन समाज कामां द्वारा कस्बे में प्रातः रथयात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली जाएगी। जैन समाज कामां के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन के अनुसार रथ का आगमन बोलखेड़ा से कामां में होगा तो वही लाल दरवाजा से मुख्य बाजार होते हुए रथयात्रा निकाली जाएगी। जिसका समापन पंचायत समिति कामां पर होगा।रथयात्रा से पूर्व कोट ऊपर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में प्रातः 9 बजे से धर्म सभा का आयोजन होगा जहां रथयात्रा पात्रों का चयन व रथ प्रवर्तन उद्देश्यों पर रथ के संचालक शास्त्रीजी के प्रवचन होंगे। युवा परिषद कामां के अध्यक्ष मयंक जैन ने बताया कि रथ के संयोजक युवा परिषद के पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया है जिससे युवा परिषद गौरव का अनुभव कर रही है सभी युवा साथी रथयात्रा की तैयारीयों में संलग्न हैं।

तुम्हारा पाप जब उदय में आएगा तब तुम्हारे होठों पर मुस्कान नहीं आंखों में आंसू होंगे: विज्ञानमति माताजी

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। संसार का ऐसा कोई भी कार्य नहीं है जो जिनेंद्र दर्शन से नहीं हो सकता, उनके दर्शन से तो सर्वार्थ सिद्धी संपूर्ण अर्थों की सिद्धी मिलती है एवं कालांतर में हम धीरे धीरे उस मार्ग पर आगे बढ़कर मोक्ष को भी प्राप्त कर सकते हैं। राजेश जैन दद्दू ने बताया कि यह उद्गार परम विदुषी आर्यिका विज्ञान मति माताजी ने उदयनगर में चातुर्मासिक धर्म सभा में प्रवचन देते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि व्यक्ति घर में रहते हुए कितने सारे पाप करते रहते हैं और फिर कहते हैं कि हे भगवान हमने इतने पाप किए पता ही नहीं चला। हे भगवान पाप हो गया, हम पाप करना नहीं चाहते थे मजबूरी वश करना पड़ा अथवा बुद्धिपूर्वक पाप किया। इन तीनों प्रकार पापों में बहुत अंतर है,तीनों के कर्म बंध में भी बहुत अंतर है। कई बार हम हंसते हंसते पाप कर लेते हैं पंचेंद्रिय के विषय भोग करते समय बड़े प्रसन्न होते हैं खुश होते हैं.... लेकिन ध्यान रखना तुम्हारा ये पाप जब उदय में आएगा तब तुम्हारे होंठों पर मुस्कान नहीं होगी,आंखों में सिर्फ आंसू होंगे और चेहरा मायूस होगा और तुम मात्र यही कहोगे कि हमने कोई पाप किया ही नहीं, लेकिन ध्यान रखना अभी का पाप हो या कभी का कभी भी उदय में आ सकता है। पूर्व कृत कर्म किसी को छोड़ते नहीं। पाप रूपी घड़ा बूंद बूंद करके भर जाता है और जब वो फूटता (उदय) में आता है तो चारों तरफ से पाप (दुःख) की बोछारें होती हैं...चारों तरफ से व्यक्ति परेशान हो जाता है क्योंकि जो पाप किया है उसका फल भोगना ही पड़ेगा। ये पाप तुमने एक ही भव में नहीं किया...फिर किया,फिर किया,फिर किया और इस पाप की संतति को तुम बढ़ाते जा रहे हो.हम अपने वचनों से नहीं कह सकते हैं कि भगवान हमने कितने पाप किए हैं लेकिन इतना विश्वास है कि चिरकालीन पाप की श्रंखला आपके दर्शन भक्ति करने से और आपके चरणों में बैठकर आलोचना करने से समाप्त हो जाएगी।

मुंबई में स्थित द क्लब होटल में इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एंड टेलिविजन अवॉर्ड्स शो का आयोजन

मुंबई. शाबाश इंडिया। द क्लब होटल में इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एंड टेलिविजन अवॉर्ड्स शो मे जिसमें बड़े-बड़े एक्टर्स और उद्योगपति मॉडल्स अभिनेत्रियां इस प्रोग्राम में सम्मिलित हुई ज्योतिष के उत्कृष्ट कार्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित डॉ रविंद्र आचार्य को सम्मानित किया। ब्राइट आउटडोर मीडिया योगेश लखानी, निवेदिता बसु क्रिएटिव हेड, अतरंगी चैनल रंजन कुमार सिंह टेलीविजन डायरेक्टर ने। अवार्ड से सम्मानित किया। आचार्य ने काफी भविष्यवाणी की है बॉलीवुड , राजनीतिक पर खेल जगत में कई भविष्यवाणी सटीक होने पर फिल्म जगत में इनको 13 अवार्ड से नवाजा गया है। इफ्टा फाउंडेशन के फाउंडर निधि समाजपति, भैरू जैन, तूफान समाजपति, ने आचार्य का आभार व्यक्त किया।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

51 मंडलीय विधान का होगा आयोजन

गुंशी, निवाई. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी तह. निवाई जिला - टोंक (राज.) में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य दिनेश माधोराजपुरा वाले निवाई एवं नरेंद्र रिद्धि सिद्धि कोटा वालों ने प्राप्त किया। प्रभु की भक्ति में भक्तों ने झूमते - नाचते हुए भाग लिया ।जयपुर विवेक विहार की समाज ने मिलकर गुरु माँ की आहार चर्या सम्पन्न कराई। आगामी 2 अगस्त 2023 बुधवार को गुरु मां का स्वर्णिम जयंती महोत्सव प्रातः 8 बजे से मनाया जायेगा । 51 मंडलीय श्री शान्ति विधान 51 जोड़ो द्वारा होने जा रहा है। साथ ही सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर यात्रियों की सुविधा हेतु भोजनालय का शुभारंभ होने जा रहा है। आप सभी इस कार्यक्रम में पधारकर धर्मलाभ प्राप्त करें। पूज्य माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि - आज जमाना नहीं बदला अपितु हमारी सोच बदलती जा रही है। सोच के अनुसार हमें वस्तु उस रूप दिखाई देती है इसलिए कहा जाता है जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। दुख की मूल जड़ हमारी सोच और इच्छा है । अपनी इच्छाओं पर कंट्रोल करना सीखो, साधनों में नहीं साधना में रहना सीखो। लोगों में साधना नहीं होती योगों में साधना होती है। धर्म सुविधाओं में नहीं होता, कष्टों में होता है। अपनी सोच में स्वार्थपना नहीं होना चाहिए। स्वार्थ से किया गया धर्म हमें फल नहीं देगा।

दिगम्बर जैन महिला महासमिति ने मनाया लहरिया उत्सव

सावन की रानी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की सभी सदस्यों द्वारा श्लहरिया उत्सवश् स्थानीय स्टेशन रोड़ स्थित महफिल होटल में मनाया गया ।अध्यक्ष सुमन बड़जात्या व मंत्री विनीता काला ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शिला डोड़या थी । मुख्य परामर्शक डॉ वंदना जैन थी । कार्यक्रम का प्रारंभ श्रीमती सरोज जयपुरिया व समस्त अतिथियों, कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित करते किया गया । मुख्य कार्यक्रम में प्रारंभ में मंगलाचरण व विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य के पश्चात सावन की रानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें तंबोला, हास्य नाटिका, मजेदार वन मिनट गेम आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं महासमिति के सदस्यों हेतु आयोजित की गई ।इस अवसर पर सभी सदस्य उपस्थित रही ।

श्री जी के चरणों में अष्ट प्रतिहार्य एवं अष्ट मंगल समर्पित किए

चंद्रप्रभु भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा की

राजेश जैन अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया तेरापंथीयान चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में शनिवार को भगवान के श्री चरणों में अष्ट प्रतिहार्य एवं अष्ट मंगल चढ़ाए गए। नसिया समिति के अध्यक्ष देवराज काला एवं मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि शनिवार को प्रातः क्षीर सागर से जल लाकर भगवान चंद्रप्रभु, भगवान शांतिनाथ एवं भगवान आदिनाथ का अभिषेक एवं शांति धारा की गई। तत्पश्चात चंद्रप्रभु पूजा शांतिनाथ पूजा आदिनाथ पूजा पार्श्वनाथ पूजा नव देवता पूजा 24 तीर्थंकर की पूजा नित्य नियम पूजा कर अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए । राजेश अरिहंत ने बताया कि पंडित राजीव शास्त्री के निर्देशन में उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्री जी के चरणों में अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किए तत्पश्चात इंद्रों के द्वारा भगवान शांतिनाथ की वेदी में रजत निर्मित अष्ट मंगल झारी,बीजना,कलश, दर्पण, चँवर, स्वस्तिक,ध्वजा,छत्र चढ़ाए गए एवं भगवान आदिनाथ की वेदी में रजत निर्मित अष्ट प्रतिहार्य अशोक वृक्ष, सिंहासन, छत्र, चँवर, देवदुंदुभी, पुष्प वृष्टि , भामंडल एवं दिव्य ध्वनि रिद्धि मंत्रों के उच्चारण एवं श्रद्धालुओं के जयकारों के साथ श्री जी के चरणों में समर्पित किए गए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com